घनश्याम तुझे ढूंढने जाएं कहाँ कहाँ

घनश्याम तुझे ढूंढने जाएं कहाँ कहाँ ,
अपने विरह की याद दिलाएं कहाँ कहाँ .
तेरे नजर में जुल्फ में मुस्कान मधुर में ,
उलझन है सबमें दिल तो छुड़ाए कहाँ कहाँ ,
घनश्याम तुझे .....

चरणों की खाक सारों में खुद खाक बन गए,
अब खाक पे हम खाक रमाये कहाँ कहाँ ,
घनश्याम तुझे.....

जिनकी तमीज देख के खुद बन गए मरीज,
ऐसे मरीज मर्ज दिखाए कहाँ कहाँ ,
घनश्याम तुझे.....

दिन रात अश्रु बिंदु बरसते तो हैं मगर ,
सब तन में लगी आग बुझाए कहाँ कहाँ ,
घनश्याम तुझे ढूंढने जाएं कहाँ कहाँ ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17351/title/ghanshyam-tujhe-dhundne-jaaye-kaha-kaha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |